नये नियम के इतिहास की रूपरेखा

पुराने व नये नियमों का अंतराल

I. परिचय के लिए–ऐतिहासिक फासला–सूचना के स्रोत

II. राजनैतिक काल

III. जीवन तथा रीति–रिवाजों में आए परिवर्तन

परिचय

सुसमाचार का इतिहास, 5 ई.पू.–30 ई.

जन्म व शैशवकाल

तैयारी का काल

I. नासरत में खामोश वर्ष

II. बपतिस्मा देने वाले की सेवकाई

गुमनामी का काल

I. गलील में प्रारंभिक सेवकाई

II. यहूदिया में प्रारंभिक सेवकाई

महान गलीली सेवकाई

I. पहला या तैयारी का चरण–चेलों की दूसरी बुलाहट

II. दूसरा चरण–प्रेरितों की नियुक्ति तथा पहाड़ी उपदेश तक

III. तीसरा चरण–दृष्टांतों से शिक्षा देने का ढंग

IV. चौथा चरण–कफ़रनहूम के आराधनालय में प्रवचन तक

V. पांचवां चरण–मण्डपों के पर्व में गलील से अंतिम विदाई तक

पलिश्तीन के सब भागों में अंतिम सेवकाई

यीशु की सेवकाई का अंतिम सप्ताह

अंतिम दिन

चालीस दिन

प्रेरितों का इतिहास, 30–100 ई.

यरूशलेम में कलीसिया की स्थापना तथा बढ़ना, 30–35 ई.

I. कलीसिया की स्थापना

II. यरूशलेम में कलीसिया का बढ़ना

कलीसिया का विस्तार, 35–45 ई.

अन्यजातियों में पौलुस के मिशनरी दौरे, 45–58 ई.

I. पहला दौरा

II. दूसरा दौरा

III. तीसरा दौरा

पौलुस का चार वर्ष का कारावास, 58–63 ई.

I. यरूशलेम में उसका कारावास

II. कैसरिया में उसका कारावास

III. रोम की जलयात्रा

IV. रोम में दो वर्ष का कारावास

प्रेरिताई का बाद का इतिहास

I. पौलुस का बाद का इतिहास

II. दूसरे प्रेरितों का बाद का इतिहास